



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

**Lt. Pareshbhai Chandulal Shah**

Donated his : Liver & Eyes

Date:- 15/05/2021

**DONATE LIFE™**  
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## Brain-dead Surat man's organs save three lives

TIMES NEWS NETWORK

**Surat:** A 54-year-old man, who was declared brain dead after suffering haemorrhage post an accident, gave a new lease of life to three persons by donating his organs here in the city on Saturday. This was the first cadaver donation after the second wave of the coronavirus gripped the city and the state.

Paresh Shah, a resident of Dayalji Park Apartment in Adajan of Surat, suffered a freak accident as he stumbled and fell while coming down the stairs of his office building near Majura gate on May 12. He was taken to a nearby hospital where he was diagnosed with brain haemorrhage.

"Shah was working as a manager at city-based Bothra Finance Ltd. Considering the Covid-19 situation and his age, he was advised by his office to work from home. On May 12, he along with his wife went to the office to withdraw his salary and while returning he suffered an unfortunate accident.

"Shah was taken to a hospital where his CT Scans revealed that he had suffered brain haemorrhage and he was declared brain dead by a panel of experts the following day. When the hospital authorities informed us about the brain-dead patient we reached out to



Paresh Shah

his kin and counselled them for cadaver donations," says Nilesh Mandlewala, president of Donate Life, an NGO which works to encourage people for cadaver donations.

"Family members of late Paresh Shah agreed to donate his vital organs to save lives of others. After receiving consent for cadaver donations, we alerted the State Organ and Tissue Transplant Organisation (SOTTO) in Ahmedabad. SOTTO allotted Shah's liver to Ahmedabad based CIMS hospital. Doctors said that two kidneys could not be donated as they were not fit for transplantations," Mandlewala added.

A special 280 km green corridor was created from Surat to Ahmedabad's CIMS hospital to transport harvested lungs. The two corneas were donated to Surat based Lok Drishti Eye bank.

"The family was ready to donate lungs and heart

### Logistics issues should not hinder organ donation

**Surat:** At a time when there are few Cadaver donations taking place in the country amid Covid-19 pandemic, waste of cadaver organs is really a cause of concern. "Despite the family being ready to donate all vital organs of their loved one, we could not harvest lungs and a heart which could have saved two more lives just because there was no logistics arrangement. There are hundreds of patients battling for life who need urgent organ transplants. Government should look into the issue and help find affordable and real-time air-travel logistics to transport organs," Nilesh Mandlewala demanded. **TNN**

as well. SOTTO informed the Regional Organ Tissue Transplant Organisation (ROTTO) and apex body National Organ Tissue and Transplant Organisation (NOTTO). The lungs were allocated to a Hyderabad hospital and the heart was allocated to a Chennai hospital. But both the organs could not be harvested as no one from these two hospitals came to harvest it because of logistics issues," Mandlewala said.

Paresh Shah was survived by his wife Padma, sons Devang and Paritosh.

"जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाट किडनी, लिवर, हृदयादान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

**वडोदरा निवासी वृद्ध को लीवर तथा हैदराबाद के अस्पताल को फेफड़ा दान किया**

## ब्रेनडेड होने पर किया अंगदान, चार को मिली नई जिंदगी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

patrika.com

सूरत. अडाजन निवासी और फाइनेंस कंपनी के मैनेजर के ब्रेनडेड होने के बाद परिवार ने अंगदान का निर्णय किया। इससे चार जनों को नई जिंदगी मिली है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर में सूरत से अंगदान का यह पहला मामला है। दान में मिला लीवर वडोदरा के वृद्ध तथा फेफड़े हैदराबाद के अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया है।

जानकारी के मुताबिक अडाजन हनीपार्क रोड दयालजी पार्क अपार्टमेंट निवासी परेश चंदूलाल शाह बोधरा फाइनांस कंपनी में मैनेजर थे। 12 मई को ऑफिस से नीचे उतरते समय परेश

अचानक गिर गए थे। उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. गौरीश गड्डैल ने उनका सीटी स्कैन करवाया, जिसमें दिमाग में नस फटने से बैन हैमरेज होने की पुष्टि हुई। न्यूरो फिजीशियन डॉ. सिद्धुश राजाध्यक्ष और डॉ. निर्मल घोरडिया ने 13 मई को परेश को ब्रेनडेड घोषित किया।

अस्पताल से सूचना मिलने पर डोनेटलाइफ प्रमुख निलेश मांडलेवाला ने परिवार को अंगदान के बारे में जानकारी दी। परिवार से सहमति मिलने के बाद स्टेट ऑर्गन एंड ट्रांसप्लांट ऑर्गेनाइजेशन (एसओटीटीओ) के डॉ. प्रांजल मोदी से सम्पर्क किया। एसओटीटीओ ने



अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल को लीवर दान किया। हैदराबाद के एक अस्पताल को फेफड़े दान किए गए। चैन्सेलर के अस्पताल को हृदयदान किया जाना था जो अपरिहार्य कारणों से नहीं हो सका। दोनों किडनी खराब होने के कारण उसका दान नहीं किया गया।

चक्षुओं का दान लोकवृष्टि चक्षुदैन के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया। लीवर का ट्रांसप्लांट वडोदरा के 64 वर्षीय वृद्ध में किया गया। वह पिछले डेढ़ वर्ष से लीवर सिरोसिस की बीमारी से पीड़ित थे। लीवर को सूरत से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। गौरतलव है कि, कोरोना महामारी की दूसरी लहर में यह पहला अंगदान है। अब तक सूरत समेत दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ ने 382 किडनी, 157 लीवर, 8 पेन्निं याज, 31 हृदय, 12 फेफड़े और 286 चक्षुओं को मिलाकर कुल 873 अंग व ट्रिश्यू का दान लेकर करीब 803 लोगों को नई जिंदगी दी है।

## ब्रेनडेड 54 वर्षीय परेश का परिजनों ने किया अंगदान, लिवर वडोदरा के बुजुर्ग को लगाया गया

280 किमी ग्रीन कॉरिडोर बनाकर अहमदाबाद पहुंचाया गया लिवर

सिटी रिपोर्टर | सूरत

अडाजन के हनी पार्क रोड निवासी 54 वर्षीय परेशभाई चंदूलाल शाह



के अंगदान से 64 वर्षीय बुजुर्ग को नया जीवन मिला। लिवर अहमदाबाद के सिम्स हॉस्पिटल को दिया गया, जबकि आंखें चक्षु बैंक को दी गईं। लिवर वडोदरा निवासी 64 वर्षीय व्यक्ति में सफलतापूर्वक ट्रांसप्लांट किया गया। लिवर पहुंचाने के लिए नियमित

अस्पताल से अहमदाबाद सिम्स अस्पताल तक 280 किमी का ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। जानकारी के अनुसार परेशभाई चंदूलाल शाह मजूरा गेट के पास स्थित एक फ़ाइनेंस कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। कोरोना के कारण कुछ समय से वह काम पर नहीं जा रहे थे। चबूतरा, 12 मई को परेश अपनी पत्नी पदमा के साथ बेतन लेने कंपनी के दफ्तर गए थे। बेतन लेकर वह सीढ़ियों से नीचे उतर रहे थे। उसी बीच उन्हें चबूतरा आ गया और वह गिर पड़े। उन्हें उल्टी भी हुई। गंभीर हालत में उन्हें तत्काल नियमित

अस्पताल में ले जाया गया। वहाँ भर्ती करा इलाज शुरू किया गया। सीटी स्कैन में पता चला कि दिमाग की नसें फट गई हैं, जिससे ब्रेन हैमरेज हो गया है। गुरुवार को न्यूरो फिजीशियन सहित डॉक्टरों की टीम ने उन्हें ब्रेन डेढ़ घोषित कर दिया। उसके बाद डोनेट लाइफ संस्था के प्रमुख निलेश मांडलेवाला से संपर्क किया गया। परिजनों ने परेश के अंगदान की सहमति दी। सूरत से अब तक 382 किडनी, 159 लीवर, 8 पेन्निं याज, 31 हृदय, 12 फेफड़े और 285 कॉर्निया के दान से 803 लोगों को नया जीवन मिल चुका है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# कोरोना की दूसरी लहर के दौरान अंगदान

## ब्रेनडे फाईनान्स कंपनी के मेनेजर का लीवर और चक्षुदान से तीन लोगों को मिला नया जीवन



### लोकतेज संवाददाता

सूरत। कोरोना महामारी की दूसरी लहर के दौरान सूरत में पहला अंगदान हुआ। जैन सुडताली श्रीमाली समाज के ब्रेनडे परेशभाई चंदुलाल शाह के अंगदान से तीन लोगों को नया जीवन मिला। फाईनान्स कंपनी में मेनेजर का काम करने वाले परेशभाई का लीवर, और आंखों को जरूरतमंदों में ट्रान्सप्लान्ट किया गया।

मजुरागेट के पास निजि फाईनान्स कंपनी में मेनेजर का काम करनेवाले परेशभाई कोविड महामारी के दौरान कुछ समय छुट्टी पर ते। बुधवार 12 मई को परेशभाई पत्नी पद्मावेन के साथ कंपनी में पगार लेने के लिए गए

थे। पगार लेकर वापस लैटरे समय ऑफिस की सीढ़ीयां उतरते समय अचानक चक्कर आने से गीर गए। उन्हे बोमट होने पर तत्काल पास के निर्मल अस्पताल में ऑफिस स्टाफ की मदद से भर्ती किया गया। सीटी स्केन करने पर दिमाग की नसे फट जाने से ब्रेइन हेमरेज होने का जांच रिपोर्ट में पता चला। 13 मई को न्युरोफिजिशियन सहित चिकित्सकों की पैनल ने परेशभाई को ब्रेनडे घोषित किया। चिकित्सकों तथा डोनेट लाईफ संस्था की ओर से परेशभाई के पुत्र देवांग तथा दामाद चिराग दोशी प्रकाश शाह, बहनोई यशवंत शाह के साथ टेलिफोनिक चर्चा करके अंगदान की प्रक्रिया समझायी। परिवार के सदस्यों की मंजुरी के

बाद अंगदान का निर्णय लिया गया। डोनेट लाईफ संस्था के अध्यक्ष निलेश मांडलेवाला से मिली जानकारी के अनुसार कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान सूरत में अंगदान का पहला केस है। ब्रेन डे परेशभाई का लीवर बड़ौदा निवासी 64 वर्षीय व्यक्ति में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। सूरत के निर्मल अस्पताल से 280 किलोमीटर दूर अहमदाबाद के सीम्स अस्पताल तक ग्रीन कोरिडोर बनाकर लीवर पहुंचाया गया।

ग्रीन कोरीडोर के दौरान सूरत पुलिस और राज्य पुलिस का साथ सहयोग मिला। परेशभाई के लीवर और आंखे दान करने से जरूरतमंद तीन लोगों को नयी जीवन मिला।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# ब्रैनडेड व्यक्ति के अंगदान से तीन जनों को मिला नया जीवन

- कोरोना की दूसरी घातकी लहर में हुआ अंगदान
- लीवर बड़ोदरा में 64 वर्षीय व्यक्ति में प्रत्यारोपित हुआ

बीओटी संबाददाता  
सूरत, 15 मई

सूरत में अडाजण निवासी 54 वर्षीय व्यक्ति को डॉक्टरों ने ब्रैनडेड घोषित किए जाने के बाद परिजनों ने उनके अंगदान करने का निर्णय किया। उनके लीवर व आँखों से तीन जनों को नया जीवन मिला है।

कोरोना की दूसरी घातक लहर के बीच सूरत में अंगदान हुआ है। सूरत में अडाजण विस्तार के निवासी परेशभाई चंद्रलाल शाह(54) मजूरागेट स्थित बोधरा फायनान्स कंपनी



में प्रबंधक के तौर पर कार्यरत थे। 12 मई के दिन वे पली पदावेन के साथ कंपनी में वेतन लेने गए थे। ऑफिस से नीचे उतरते समय चक्कर आने से वे गिर गए थे। उल्टी होने पर उन्हें उपचार के लिए निकट की निर्मल अस्पताल में भर्ती करवा के उनका उपचार शुरू किया गया था। उनके दिमाग का सीटी स्कैन करवाने पर दिमाग की नस फट जाने से उन्हें ब्रैन हेमरेज होने का निदान हुआ था।

न्यूरोफिजिशियन डॉ. सिध्येश राजाध्यक्ष, पीडीयाट्रीक डॉ. निर्मल चोरडिया, मेडीकल अधीक्षक डॉ. गिरीश गडवैल तथा इन्टरवेन्टीविस्ट डॉ. माधवी गौड़ा ने परेशभाई को ब्रैनडेड घोषित किया था। डोनेटलाइफ के निलेश मांडलेवाला तथा टीम ने उनके परिजनों को अंगदान के बारे में जानकारी दी थी।

कोविड-19 के समय में देशभर में अंगदान की प्रक्रिया कम है ऐसे में परेशभाई के

परिजनों ने उनके अंगदान का निर्णय किया। परेशभाई का लीवर बड़ोदरा में 64 वर्षीय एवं लीवर सीरोसीस की बीमारी से पिछीत व्यक्ति में प्रत्यारोपित किया गया। उनका लीवर अहमदाबाद ले जाने के लिए ग्रीन कोरिडोर बनाया गया था। परेशभाई की दोनों आँखों का दान लोकटूष्टि चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया। उनकी दोनों किडनी खराब होने से उसका दान संभव नहीं हो पाया जबकि लॉजीस्टिक इश्यू की वजह से हृदय और फेफड़ों का दान नहीं हो सका।

सूरत और दक्षिण गुजरात से डोनेट लाइफ संस्था द्वारा 382 किडनी, 157 लीवर, 8 पेन्क्रीयास, 31 हृदय, 12 फेफड़े और 286 आँखें मिलाकर 873 अंग और टीश्यू के दान से 803 व्यक्तियों को नया जीवन देने में सफलता मिली है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रैनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## અડાજણના બ્રેઇનડેડ આધેડના અંગદાનથી ગ્રાણ વ્યક્તિત્વોને નવજીવન મળ્યું

ખબરકાર પ્રતિનિધિ

સુરત તા.૦૫

શ્રી જૈન સુડતાલીસ શ્રીમાળી સમાજના બ્રેઇનડેડ પરેશભાઈ ચંદુલાલ શાહના પરિવારે તેમના લિવર અને ચંકુઓનું દાન કરી ગ્રાણ વ્યક્તિત્વોને નવજીવન બદ્ધી, માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી હિસા બતાવી હતી.

મજૂરાગેટ પાસે આવેલ બોથરા ફાઈનાન્સ લિ.માં મેનેજર તરીકે ફરજ બજાવતા પરેશભાઈ કેવિટ મહામારીને કારણે થોડી સમયથી રજા ઉપર હતા. જુથવાર તા. ૧૨ મે ના રોજ પરેશભાઈ તેમની પલી પદમાબેન સાથે આ ક્રીપનીમાં તેમનો પગાર લેવા માટે ગયા હતા. પગાર લઈને તેમો ઓફીસમાંથી નીચે ઉત્તરતા હતા ત્યારે ચક્કર આવવાથી પડી ગયા હતા. તેમજ તેમને ઉલ્લી થતા તેઓને તાત્કાલિક બાજુમાં આવેલ નિર્મલ હોસ્પિટલમાં ઓફીસ સ્ટાફની મદદથી ડૉ. ગૌરીશ ગાડેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી. નિદાન માટે સીટીસેન કરાવતાં મગજની નસો ફાટી જવાથી બ્રેઇન ડેમરેજ થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. ગુરુવાર તા. ૧૩ મેના રોજ ન્યુરોક્ષિયુલોયન ડૉ. સિદ્ધેશ રાજાધ્યક્ષ, પોડીયાટ્રીક ડૉ. નિર્મલ ચોરડિઅા, મેડિકલ સુપ્રીટેન્નેન્ટ ડૉ. ગૌરીશ ગાડેલ અને ઇન્ટેન્સીવીસ્ટ



ડૉ. માધવી ગોડાએ પરેશભાઈને બ્રેઇનડેડ જાહેર કર્યા. નીલેશ માંડલેવાલાએ અંગદાન માટે સમ જાવતા પરેશભાઈના પુત્ર દેવાંગ તેમના જમાઈ ચિચાગ દોશી, બાઈ પ્રકાશભાઈ શાહ, બનેવી યશવંતભાઈ શાહ પરિવારજનોને અંગદાનની સંમતિ આપી હતી.

પરેશભાઈનું લિવર અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યું. જ્યારે બને ડિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું દાન થઈ શક્યું ન હતું. હૃદય અને ફક્સાના દાન માટે દ્વારા મુખી અને મંબાઈ દ્વારાનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો. સોહો દ્વારા ફક્સાને હેદરાબાદની એક હોસ્પિટલને તેમજ હૃદય ચેનાઈની એક હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યા હતા, પરંતુ લોજસ્ટિક પ્રોબ્લેમને કારણે ફક્સા અને

હૃદયનું દાન થઈ શક્યું ના હતું.

અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલના ડૉ. આનંદ ખાનગર અને તેમની ટીમે આવી લિવરનું દાન સ્વીકાર્ય. જ્યારે ચંકુઓનું દાન લોકન્દ્રથી ચંકુઓંકના ડૉ. પ્રહુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્ય.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલ લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઘોડ વર્પથી લિવર સીરોસોસની બીમારીથી પીડતા વડોદરાના રહેવાસી ૬૪ વર્ષથી વ્યક્તિમાં કરાયું હતું.

સુરત અને દસ્તિશ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૩૮૨ ડિડની, ૧૫૭ લિવર, ૮ પેન્ઝીઆસ, ૩૧ હૃદય, ૧૨ ફેફસાં અને ૨૮૬ ચંકુઓ કુલ ૮૭૩ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૮૦૩ વ્યક્તિત્વોને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટિ બનાવવામાં સહાયતા મળી છે.

### પરેશભાઈ શાહને ચક્કર આવ્યા બાદ પડી જતા બ્રેઇનડેડ થયા હતા : પરેશભાઈના લીવર અને ચંકુઓનું દાન કરાયું

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાદાન..."



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

**ભાસ્કર વિશેષ | લોજિસ્ટિક સમસ્યા આવતા આધેડના ફેફસાં અને હૃદયનું દાન ન થઈ શક્યું  
અડાજણાના શાહ પરિવારે બ્રેઇનડેડ આધેડના લિવર  
અને આંખોનું દાન કરી ૩ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું**

દેવ રિપોર્ટ | ૩૨૬

કોરોનાની બીજી લહેર પછી રાજ્યમાં સુરતમાં  
સૌધેયમ અંગરદાન થયું છે. ભેટાન હેમરોજના  
કાર્યો ભેટાનનું થયેલા અડાજણના શાલ  
પારિવારના આપેના લિપર અને ચાંદુઓનું  
દાન કરી પરિવારે ત્રણ વ્યક્તિને નવું જીવન  
આપી માનવતા મહેકાવી છે. હોકે લાઇસિસ્ક  
સમસ્યાને કાર્યો તેમના કેંસા અને હફટનું  
દાન થઈ રહ્યું ન હતું.

અગ્રાજીના, હનીપાઈ રોડ, અનાવિલ  
પેટ્રોલપંપની બાજુમાં, દ્વારાળી પાઈ  
એપાર્કમેન્ટ ખાતે રહેતા પરેશભાઈ ચંદુલાલ



四四四

**શાહ (૫૪) બોધયા  
કાઈનાન્સ લિમિટેડ  
કેપનીમાં મેનેજર તરીકે કટક  
ભજગતા હતા. પરેસાભાઈ  
કોવિડ મહામારીને કારણે  
રૂળ પર હતા. 12 મેના  
રોજ પરેસાભાઈ તેમની  
પત્ની પદમાનેન સાથે કંપનીમાં તેમનો પગાર  
લેવા માટે ગયા હતા. પગાર લઈને તેમો  
ઓક્સિસમાંથી નીચે ઉત્તરતા હતા ત્યારે ચક્કર  
આવતા પછી ગયા હતાં. તેમજ તેમને ઉલ્લી  
થતા તાત્કાલિક નજીકુની નિર્મિત હોસ્પિટલમાં  
દાખલ કરી સારવાર શરૂ કરવામાં આવી.**

ज्यावा स्टीटीक्सेन इक्रावतां मंगलज्ञी नसो शाई  
ज्यावाची बोर्डेन हमेरदेख यथु जाणवा मंगल ठंडु  
13 मेना रोज तपीबोधे तेमने प्रेषिन्हेक्स  
जालेड क्यापू. निर्भय लोस्पिटलना तपीबोधे  
होनेत लाईक्सा प्रभुम निवेशा मांडळेवालाना  
संपर्क करी बोर्डेनेक्स अंगेनी जाणकारी आप्य  
बाद नीवेशवाईचे परिवारना सम्बोधे  
अंगदाननु भक्त उभाजवृ ठंडु. परिवारे  
अंगदानना संभेति आपता साठेना. इन्हिन वारे  
ये. मांजश घोरीना संपर्क करी किंडी, लिवर,  
हृदय अने केंकसांना दान मारे जाणवृ ठंडु  
अमेद्यावादना सोस लोस्पिटलना टीमे आवाज  
लिवरनु दान स्वीकारू. ज्यावे यसुओनु दान

સુરતથી અમદાવાદ સુધી 280 કિમોના  
ટ્રેને ગ્રેનિકોરીડો બનાવાયો હતો  
લિવર સ્પર્મપસ્ટ અમદાવાદ પહોંચાડા માટે  
સુરત નિમિલ ડૉસ્પ્ટલાથી અમદાવાદની  
સૌથી હોસ્પિટાવ સુપીનો 280 કી. મી નો શેન  
કોરીપેટ બનાવાયામાં આખો હતો જેમણે સુરત  
શાહેર પોલીસ તેમજ રાજ્યના વિવિધ રાહયો  
અને આખ્ય પોલીસે સહકાર આપ્યો હતો.

લોકાદ્યે ચલુણેકના હે.મફુલલ શિરોયાને  
સ્વીકાર્પું હતું. દાનમાં મેળવામાં આવેલા  
ખિલરનું ટ્રોન્સલાન્ડ વહોદરાના 64 પર્સીય  
પુલમાં કરવામાં આવી રહ્યું છે.

કોરોનાની બીજી લહેર વચ્ચે પણ અંગદાન

અડાજણના પરેશ શાહના અંગદાનથી ઉને નવજીવન મળ્યું

सुराम् ता. १५  
अंतेना भवामारीनि विकृ लक्ष्यम्  
सुलभामयी प्रथमवार अंगदान थपु के फैन  
सुलभामयी शीघ्रामयी समाप्ताना बोर्डनेट  
परसा चंडीलाल शासना अंतेना दान  
इयपु कुनू शीघ्रामयी उपनीमा मेनेहर  
तर्हीक अम इयां परेश शासना लिप्तव  
अने बहुमोनू दून करवाया आवाया  
३ अंतिमा कृपन करी नवजीवन यहि  
शक्यां है।

અધ્યાત્મિક કથાના પાડ  
એપાઈમેટ્રિક્સ રેલાં અને મહારાજાએ  
ઘણે આવેલ બોલદુ કાર્યાન્વ હિંમાં  
મેનનીર લંડેક્સ ફર્ઝ ભજાવતા પેરેશ શાલ  
(મુગ રો, ખેચુલુ, મહેસુલા) શેવિદ  
મહામારીને કરદેં થીએ સમયથી ૨૭  
ઉપર હતા, ખુલ્ખાર તા. ૧૨ મે ના રેઝ  
પેરેશાલ્છી તેસી પણી પદ્ધામેન સાથે  
આ કંબનીઓનાં તેમનો પગાડ ક્ષેત્ર માટે જયા  
હતા, પગાડ લઈને તેથે અંકોશમાંથી  
નીચે ઉત્તરાં હતા ત્યાર બક્કડ આવાયાથી  
પરી જયા હતા, તેમજ તેમને હુલ્લી હતા  
તેમનેને તપાત્તિલિક ખાજામાં આવેલ નિર્ભવ



---

Digitized by srujanika@gmail.com

જૈન સુડતાલીસ શ્રીમાળી સમાજના પરેશ શાહ ફાયનાન્સ મેનેજર તરીકે ફરજ બજાવતા હતા; બ્રેઇનડેડ થતાં લિવર અને ચક્કાનું દાન કરાયું

દોસ્પિટલમાં ઓકીસ મ્યાકની મહદ્દી અંગે પરેશાભાઈના પુત્ર કેવાં તેમના રોગીની ગુપ્તિની સારવાર હેઠળ જ્યારી વિરાસ દેશી, બાઈ પ્રકાશાઈ ધારણ કરી સારવાર મણ કરવામાં આવી. શાસ્ત્ર, બનેવી પણવત્તાઈ શાસ્ત્ર સાચે નિધાન માટે CT સ્લેન કરવાની મગજની ટૈપીકોનીક વર્ચ્યુ કરી અંગઢાનું મહત્વ નથે કાણી જાણી બેઠિન હેમેરેજ થયું અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવી હોવાનું નિધાન થયું હતું.

13 મેના રોજ ન્યૂયોર્કનિયન પણવત્તાઈને પરિવહન અન્ય ભાગો પ્રેરિંગને રાખી થાયું, પૌરીપટી તે અને વર્ચ્યુ હોન્ટી નક્કી હુંકે અમારું વ્યક્તન લિવરસ્ટોરોલીસની બીમારીથી પોતા હતા તેમાં અમદાવાહની સૌંદર્ય દોસ્પિટલમાં હોયાંનું ખાલી અને તેમની રીત દ્વારા કરવામાં આવી રહ્યું છે. લિવર સમયસર અમદાવાહ પણવત્તાનું માટે સુધી નિર્મલ દોસ્પિટલથી અમદાવાહની સૌંદર્ય દોસ્પિટલ સુધીનો 280 ડિ.માનો ગીન એડિપ્રેટ અનુવાયમાં આવ્યો હતો.

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



## Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

# સુરતમાં કોવિડ-19ની બીજી લહેરમાં અંગાદાનની પ્રથમ ઘટના



### ■ ડોનેટ લાઇફનાં માધ્યમથી ત્રણ વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા. ૧૫: કોવિડ-19ની મહામારીની બીજી લહેર પછી ડોનેટ લાઇફનાં માધ્યમથી અંગાદાન કરવાની પ્રથમ ઘટના આવી છે. જેમાં શ્રીજૈન સુરતાલીસ શ્રી માળી સમાજના બ્રેચન્ડેડ પરેશભાઈ ચંદુલાલ શાહના પરિવારે તેમના લિવર અને ચાન્દુઓનું દાન કરી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવું જીવન આપી

માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

મૂળ ખેડાલું મહેસાણા અને અત્રેના દ્વારા પાર્ક એપાર્ટમેન્ટ, અનાવિલ પેટ્રોલ પંપની બાજુમાં, હનિપાર્ક રોડ, અડાજીશા, સુરત રહેતા પરેશભાઈ ચંદુલાલ શાહ (૩.૫૪) શહેરના મજૂરા ગેટ પાસે આવેલા બોથર ફાઇનાન્સ લિ.માં મેનેજર તરીકે ફરજ બજાવતા હતા. કોવિડ મહામારીને કરણો થોડા સમયથી રજા ઉપર હતા. તેઓ ગત તારીખ ૧૨મીના રોજ

તેમનાં પત્ની પઢાબેન સાથે કંપનીએ પગાર લેવા ગયા હતા. પગાર લઈને ઓફિસમાંથી નીચે ઉત્તરતા હતા. આ દરમિયાન પરેશભાઈને ચક્કર આવતા પડે ગયા હતા. સિટી સ્કેન કરવામાં આવતા તેમની મગજની નસો ફાટી જવાથી તબીબોએ પરેશભાઈને બ્રેચન્ડેડ જાહેર કર્યા હતા.

પરેશભાઈ શાહના પરિવાર તરફથી અંગાદાનની સંમતિ મળતા લાઇફ ડોનેટના નિલેશભાઈ માંઝલેવાલાએ તબીબોનો સંપર્ક કરી કિડની, લીવર, હૃદય અને ફેફસાના દાન માટે જરૂરી હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલું લીવરનું અમદાવાદની સીસ્સ હોસ્પિટલને કાળવવામાં આવ્યું હતું. ચાન્દુઓનું દાન લોક હસ્પિટલના પ્રફુલ્લભાઈએ સ્વીકાર્ય હતું. જ્યારે ફેફસાનું અને હૃદયદાન અન્ય પ્રોબ્લેમના કારણો શક્ય બન્યું ન હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## લોજિસ્ટિકના અભાવે ફેફસાં અને હદ્યનું દાન થઈ નહીં શક્યું પરેશ શાહના અંગદાનથી ૩ને નવજીવન

| સુરત |

જેણ સમાજના પરેશભાઈ શાહ બેઈનડે જાહેર થતાં પરિવારજનોએ તેમના અંગોનું દાન કર્યું હતું. તેમના અંગોના દાનથી ત્રણ લોકોને નવજીવન મળ્યું હતું. કોરોનાની બીજી લહેર બાદ સમગ્ર રાજ્યભરમાં સુરતમાં પ્રથમ અંગદાનની ઘટના બની છે.

અડાજ્ઞામાં હનીપાઈ રોડ પર દ્યાળજી પાર્ક એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતા અને મજૂરાગેટ પાસે બોથરા ફાઈનાન્સમાં મેનેજર તરીકે ફરજ બજાવતા પર વર્ષીય પરેશભાઈ ટુંહુલાલ શાહ કોરોના મહામારીને કારણે થોડા સમયથી રજા ઉપર હતા. બુધવાર તા. ૧૨ મેના રોજ પરેશભાઈ તેમની પત્ની પદ્માબેન સાથે કંપનીમાં તેમનો પગાર લેવા માટે ગયા હતા. પગાર લઈને તેઓ ઓફિસમાંથી નીચે ઉત્તરતા હતા ત્યારે ચક્કર આવવાથી પડી ગયા હતા. તેમને ઊલટી થતાં ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર હેઠળ દાખલ કરાયા હતા. સીટી સ્કેન કરાવતાં મગજની નસો ફાટી જવાથી બેઈન હેમરેજ થયું હોવાનું નિદાન થયું હતું. ગુરુવાર પરેશભાઈન બેઈનડે જાહેર કરાયા હતા. તબીબોએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી પરેશભાઈના બેઈનડે અંગોની જાણકારી આપી. પરિવારનો અન્ય સભ્યો સાથે ચર્ચા કરી નક્કી કર્યું કે અમારું સ્વજન તો બેઈનડે છે અને તેનું મૃત્યુ નિશ્ચિત છે. ત્યારે કોવિડ-૧૯ની મહામારીના સમયમાં જ્યારે દેશમાં અંગદાનનું પ્રમાણ ખૂબ જ



ઓછું છે ત્યારે પરેશભાઈના અંગોના દાન દ્વારા ઓર્ગન નિષ્ઠળતાના દર્દીઓને નવજીવન આપવાનો નિર્ણય લીધો. પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળતા સ્ટેટ ઓર્ગન એન્ડ ટિસ્યૂ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ ઓર્ગેનાઇઝેશનનો સંપર્ક કરી કિડની, લિવર, હદ્ય અને ફેફસાના દાન માટે જાળાયું હતું. એસ. ઓ.ટી.ટી.ઓ. દ્વારા લિવર અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે બંને કિડની ખરાબ થઈ ગઈ હોવાથી તેનું દાન થઈ શક્યું ન હતું. ફેફસાને હેદરાબાદની એક હોસ્પિટલને તેમજ હદ્ય ચેપ્ટરીની એક હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવ્યું હતું, પરંતુ લોજિસ્ટિક પ્રોબ્લેમને કારણે ફેફસાં અને હદ્યનું દાન થઈ શક્યું ના હતું. અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલે લિવરનું દાન સ્વીકાર્યું જ્યારે ચલ્યું ના હતું. અમદાવાદના લોકપ્રાણી ચલ્યું ને સ્વીકાર્યું હતું. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના રહેવાસી ૬૪ વર્ષીય વ્યક્તિને કરવામાં આવ્યું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્યદાન..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## કોરોનાની બીજી વેવમાં પ્રથમ વખત સુરતથી અંગદાન, પણ લોજિસ્ટિક પ્રોબ્લેમના કારણે હૃદય-ફુંકસાનું દાન કરાયું નહીં

**અડાજણાના** આધેડને બેદનડેડ ભાહેર કરાતાં તેમનાં અંગોનું દાન કરાયું

**ખાનગી ફાયનાન્સ કંપનીના** મેનેજર પત્ની સાથે પગાર લઈ આવતી વેળા અચાનક ચક્કર આવતાં દાદર પરથી નીચે ગબડી પડ્યા હતા

સુરત: કોરોનાની બીજી વેવ વચ્ચે શનિવારે રાજ્યમાં પ્રથમ વખત અંગોનું દાન સુરતથી કરવામાં આવ્યું છે. જો કે, દેશમાં લોજિસ્ટિક પ્રોબ્લેમના કારણે હૃદય અને ફુંકસાનું દાન શક્ય બન્યું ન હતું. પત્ની સાથે મજૂરાગેટ સ્થિત ફાયનાન્સ કંપનીમાંથી પગાર લઈ નીચે ઉિતરી રહેલા મેનેજરને ચક્કર આવતાં દાદર પરથી પડી ગયા હતા. જો કે, તેમની સારવાર દરમિયાન તબીબોએ બેદનડેડ ભાહેર કરતાં પરિવાર દ્વારા અંગોનું દાન કરતાં અન્ય ગ્રણ લોકોને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રાક્ત વિગતો મુજબ અડાજણા હનીપાર્ક રોડ પર દચાળજુ પાર્ક એપાર્ટમેન્ટમાં રહેતા 54 વર્ષીય પરેશભાઈ ચંદુલાલ શાહ હાલ મજૂરાગેટ નજુક આવેલી બોથરા ફાઇનાન્સ લિમિટેડ કંપનીમાં મેનેજર તરીકે નોકરી કરે છે. પરંતુ હાલ કોરોનાની મહામારી વચ્ચે તેઓ રજા ઉપર ઉિતરી ગયા હતા. ગત તા.12 મે ને બુધવારે પરેશભાઈ તેમની પત્ની પદ્માંબેન સાથે કંપનીમાં પગાર

લેવા માટે ગયા હતા. તેઓ પગાર લઈ નીચે ઉિતરી રહ્યા હતા ત્યારે જ ચક્કર આવવાથી પડી ગયા હતા. તેમજ તેમને ઉિતરી થતાં બાજુમાં આવેલી નિર્મલ હોસ્પિટલમાં લઈ જવાયા હતા. જ્યાં તબીબોએ સિટી સ્કેન કરાવતાં મગજની નસો ફાટી જવાથી બેદન હેમરેજ થયું હોવાનું કહ્યું હતું. ગત ચુંચારે તબીબોએ પરેશભાઈને બેદન ડેડ ભાહેર કર્યો હતા. આ અંગે ડોનેટ લાઇફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરાતાં પરિવારે અંગદાન કરવાનો નિર્ણય લીધો હતો. ડોનેટ લાઇફ દ્વારા સ્ટેટ ઓર્ગન ડોનેશન ઓર્ગેનાઇઝેશનનો સંપર્ક કરાતાં કિડની, લિવર, હૃદય અને ફુંકસાનું દાન માટે જાણવાયું હતું.

જો કે, પરેશભાઈની બંને કિડની ખરાબ થઈ હોવાથી તેનું દાન શક્ય બન્યું ન હતું. જ્યારે લિવર સુરતથી અમદાવાદની સીમ્સ હોસ્પિટલમાં લઈ જવામાં આવ્યું હતું. જ્યાં સારવાર લઈ રહેલા વડોદરાના દર્દીમાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરવામાં આવ્યું હતું.

રાજ્યમાં હૃદય અને ફુંકસાના સ્વીકાર માટે દર્દીઓ નહીં મળતાં સેન્ટ્રલ ઓર્ગોનાઇઝેશનને સંપર્ક કરી જાણ કરાતાં પરેશભાઈનું હૃદય ચેક્શાઇની એક હોસ્પિટલને તથા ફુંકસા હૈદરાબાદની એક હોસ્પિટલને ફાળવવાનું નક્કી કરાયું હતું. પરંતુ કોરોનાના કહેર વચ્ચે લોજિસ્ટિક પ્રોબ્લેમના કારણે ફુંકસા અને હૃદયનું દાન થઈ શક્યું ન હતું. જ્યારે પરેશભાઈના બંને ચક્ષુનું દાન લોકદસ્તિ ચક્ષુંભેંકને આપવામાં આવ્યું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



# Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January, 2006 to 15th May, 2021

382

KIDNEY

157

LIVER

8

PANCREAS

31

HEART

12

LUNGS

286

CORNEA

DONATE LIFE™  
an initiative of organ donation

Which has given new lease of life &  
vision to 803 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडे के बाद, किडनी, लिवर, हृदयादान..."